भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1920
(03 मार्च, 2020 को उत्तर दिए जाने के लिए)

ओडिशा में बीपीएल कार्ड

1920. कुमारी चन्द्राणी मुर्मुः

क्या ग्रामीण विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि ओडिशा के क्योंझर, मयूरभंज और सुंदरगढ़ जिले आदिवासी जिले हैं और यहां अधिकांश लोग गरीब कोटि के हैं;
(ख) यदि हां, तो क्या बीपीएल कार्ड समाप्त करने के बाद उक्त लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है;
(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इस संबंध में पुनर्विचार करेगी और सर्वेक्षण करके पुनः बीपीएल कार्ड जारी करने हेतु कदम उठाएगी; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
ग्रामीण विकास मंत्री
(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) और (ख): ओडिशा का क्योंझर, मयूरभंज और सुंदरगढ़ जिला संकेन्द्रित रूप से अनुसूचित जनजातियों के कल्याण और विकास के उद्देश्य से जनजातीय मामले मंत्रालय द्वारा निर्धारित 177 प्राथमिकता वाले जिलों में से हैं। ओडिशा का क्योंझर, मयूरभंज और सुंदरगढ़ जिले में सामाजिक-आर्थिक और जातिगत जनगणना (एसईसीसी), 2011 के अनुसार स्वत: शामिल की गई आबादी क्रमश: 28571, 9542 और 3878 है। गरीबी की बहु-आयामीता को ध्यान में रखकर एसईसीसी 2011 में ग्रामीण परिवारों का स्वत: बहिर्वेशित स्वत: समावेशित और वंचित श्रेणियों में श्रेणीकरण करने के लिए विविध मानदंड अपनाए गए। सरकार लाभार्थियों की पहचान करने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण, प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना- आयुष्मान भारत, प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना इत्यादि जैसे सामाजिक कल्याण के अपने कार्यक्रमों को कार्यान्वित करते समय लाभार्थियों को इनका लाभ देने के उद्देश्य से एसईसीसी आंकड़े का उपयोग करती है।

(ग) और (घ): इस समय ऐसा कोई भी प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

*****